Hindustan (16/10/2019)

पटना से भी बनर्जी का रहा है नाता

नोबल पुरस्कार विजेता

पटना | वरीय संवाददाता

अर्थशास्त्र के लिए नोबल पुरस्कार से नवाजे गए प्रो. अभिजीत बनर्जी का पटना से गहरा नाता रहा है। वे पिछले साल ही विकास प्रबंधन संस्थान (डीएमआई) में एक प्रस्तुति देने आए थे। इसका विषय था- 'गरीबी से लड़ने का विज्ञान।' डीएमआई के डीन नीरज कुमार ने अभिजीत बनर्जी को बधाई दी है।

नीरज ने बताया कि गरीबी उन्मूलन के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य और अपनायी गई शोध प्रणाली डीएमआई के फैकल्टी तथा पीजीडीएम कोर्स के छात्रों के लिए काफी प्रेरणादायी थी। बताया कि प्रो. बनर्जी खुद और उनका संस्थान बिहार सरकार से भी जुड़ा हुआ है और गरीबी उन्मूलन पर काम कर रहा है। प्रो. बनर्जी के संस्थान से डीएमआई के विद्यार्थी भी जुड़े हुए हैं।

नोबल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी डीएमआई में लेक्चर देते हुए (फाइल फोटो)।

Hindustan (16/10/2019)

विश्वविद्यालयों में बहाल होंगे वित्तीय सलाहकार

हिन्दुस्तान जॉब्स

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

राज्य के विश्वविद्यालयों में वित्तीय सलाहकार (फाइनांशियल एडवाइजर) बहाल होंगे। राज्य के सभी 13 विश्वविद्यालयों में इस पद पर बहाली का विज्ञापन राजभवन सचिवालय ने जारी किया है। राजभवन के प्रधानसचिव ब्रजेश मेहरोत्रा के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना द्वारा योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन 11 नवम्बर की शाम 6 बजे तक राजभवन सचिवालय तक पहुंच जाना चाहिए।

जानकारी के मुताबिक योग्य व्यक्तियों को तीन साल तक के लिए इस पद पर बहाली की जाएगी तथा वे पूर्णकालिक पदाधिकारी होंगे। बिहार राज्य विवि अधिनियम तथा पटना विश्वविद्यालय अनियिम में प्रदत्त शक्तियों के तहत राज्यपाल सह कुलाधिपति भारतीय आडिट एंड एकाउंट सर्विस अथवा भारत सरकार के अन्य कोई लेखा सर्विस के किसी अफसर को प्रतिनियुक्त अथवा पुनर्नियुक्त भी कर सकते हैं। बिहार सरकार के वित्त विभाग द्वारा पूर्व से अधिसूचित तथा कुलाधिपति द्वारा स्वीकृत सर्विस कंडीशन लागू होगा।

बायोडाटा तथा उपलब्धि का ब्योरा तीन साल की गोपनीय रिपोर्ट के साथ देना होगा : राज्यपाल सचिवालय ने वित्तीय सलाहकार पद के लिए जरूरी शैक्षणिक योग्यताधारी वैसे ही अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं जो शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ हों। इस पद पर काम करने को इच्छुक अभ्यर्थियों को अपना बायोडाटा तथा उपलब्धि का ब्योरा गवर्नर.बिहार.एनआईसी.इन पर अपने तीन साल की गोपनीय रिपोर्ट के साथ देना होगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन की एक प्रति स्पीड पोस्ट अथवा निबंधित डाक से राजभवन के प्रधान सचिव के पते पर भी भेजनी है। लिफाले के ऊपर में 'वित्तीय सलाहकार पद के लिए आवेदन' लिखना होगा।

मौका

- राजभवन ने योग्य उम्मीदवारों से 11 नवम्बर तक मांगा आवेदन
- तीन वर्षों के लिए होगी फाइनांशियल एडवाइजर की नियुक्ति

13 विश्वविद्यालयों में बहाली का विज्ञापन राजभवन सचिवालय ने जारी किया

Hindustan (16/10/2019)

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड के लिए बिहार के दो बच्चों का चयन

पटना | हिन्दुस्तान टीम

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड के लिए बिहार के दो छात्रों के आइडिया का चयन हुआ है। चयनित छात्रों में नालंदा के सिद्धांत कुमार और मधुबनी के शिवम अमृतेश शामिल हैं।

सिद्धांत गवर्नमेंट हाईस्कूल रानाबीघा में नौवीं कक्षा का छात्र है। उसने इजी क्लीनिंग वाटर का आइडिया दिया है। शिवम संस्कार भारती ग्लोबल स्कूल फुलपरास में 11वीं का छात्र है। उसने स्लीप-वॉकिंग डिटेक्टर एंड प्रिवेंटर का आइडिया दिया है। इस अवार्ड के लिए देशभर के नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 21 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। इस अवार्ड के लिए देश के 544 जिलों के 60 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपना आइडिया भेजा था। चयनित छात्र-छात्राओं को 30 नवंबर को सम्मानित किया जाएगा।

गर्व की बात

- देशभर से 18 आइडिया के लिए 21 बच्चों का किया गया है चयन
- 544 जिलों के 60 हजार से अधिक बच्चों ने भेजे थे आइडिया
- 30 नवंबर को चुने गए छात्र छात्राओं को मिलेगा सम्मान

नालंदा के सिद्धांत ने रोशन किया जिले का नाम

बिहारशरीफ | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

आईआईटी द्वारा संचालित अवार्ड 2019 के लिए राणा बिगहा हाई स्कूल के सिद्धांत कुमार को चुना गया है। उसने घरों में बनायी जाने वाली जल टंकी की सहज सफाई का आइडिया दिया। उसने बताया कि वाटर टैंक की निचली व अंदर की सतह को एक कोने की ओर ढलाव बनायी जानी चाहिए। इससे टंकी में जमा होने वाला बालू अथवा अन्य पदार्थों को बाहर निकालना आसान हो जाएगा। जब टंकी में पानी भरा जाएगा तब उसके दबाव से बालू व अन्य पदार्थ ढलाव वाले कोने में जमा हो जाएंगे। उस कोने में एक छेद होगा, उस छेद के बाहर खोलने व बंद करने का उपकरण लगाया जाएगा। कुछ दिन बाद नल को थोड़ी देर के लिए खोल देने पर टंकी के अवशिष्ट पदार्थ बाहर निकल जाएंगे। इग्नाइट अवार्ड वर्ष 2008 से दिया जा रहा है।

आइडिया को पहचान

- सिद्धांत ने दिया वाटर टैंक साफ करने का आइडिया
- टैंक की सतह को एक कोने की ओर ढलाव बनाई जानी चाहिए

02 हजार आठ से दिया जा रहा है इग्नाइट अवार्ड

सिद्धांत कुमार।

मधुबनी के शिवम के मॉडल को मिली पहचान

मधुबनी | नगर संवाददाता

मधुबनी के लाल शिवम अमृतेष के चयन से परिवार के साथ-साथ जिले का मान बढ़ा है। यह अवार्ड तकनीकी क्षेत्र में नए आइडिया और इनोवेशन के लिए दिया जाता है। शिवम फुलपरास स्थित संस्कार भारती ग्लोबल स्कूल में 11वीं का छात्र है। वह स्कूल के निदेशक डॉ. विजय रंजन का पुत्र है। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी शिवम सहित प्रतियोगिता में देशभर से चुने गए 21 छात्रों को 30 नवंबर को गांधीनगर में सम्मानित करेंगे।

डॉ. रंजन ने बताया कि इस अवार्ड के लिए पहली सितंबर 2018 से आवेदन प्राप्त किए जा रहे थे जो अगस्त 2019 तक लिए गए हैं।

शिवम की मां डॉ. विजया सिंह रंजन ने बताया कि शिवम ने अहमदाबाद आईआईटी को कुल 13 आइडिया भेजे थे।

सम्मान

- शिवम ने स्लीप-वॉकिंग डिटेक्टर एंड प्रिवेंटर का दिया था आइडिया
- फुलपरास के संस्कार भारती ग्लोबल स्कूल का छात्र है शिवम

13 आइडिया भेजे थे अहमदाबाद आईआईटी को शिवम ने

शिवम कुमार।

Prabhat khabar (16/10/2019)

पुआल बनेगा आमदनी का जरिया

- **पुआल जलाने के बदले कमाने का जरिया बनाने के लिए चलेगा अभियान**

पटना . पुआलों को खेतों में जलाने के बजाय किसानों के लिए कमाने का जरिया बनाया जायेगा. इसके लिए ज्ञान भवन में दो दिन तक चले सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिकों के सुझावों से किसानों को अवगत कराया जायेगा. बाहर से आये किसानों के अनुभवों को राज्य के किसानों तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जायेगा. मंगलवार को ज्ञान भवन में फसल अवशेष प्रबंधन के विषय पर दो दिवसीय सेमिनार के समापन के अवसर पर कृषि मंत्री डा प्रेम कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान, पदाधिकारियों ने अच्छा सुझाव दिया.

दो कृषि विश्वविद्यालय करेंगे काम

सम्मेलन में बताया गया कि सेमिनार की बातों व निष्कर्ष पर कृषि विभाग और राज्य के दो कृषि विश्वविद्यालय तथा एक पशु विज्ञान विश्वविद्यालय मिल कर बड़े पैमाने पर किसानों के क्षमता बढ़ाने का कार्य करेंगे . पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले किसान चौपाल तथा अन्य विभागीय कार्यक्रमों में फसल अवशेष प्रबंधन पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा. फसल अवशेषों को वर्मी खाद बनाने तथा दैनिक कार्यों के उपयोग में होने वाले उत्पादों के साथ- साथ फसल अवशेष के प्रबंधन से संबंधित यंत्रों की उपयोगिता के बारे में किसानों को प्रशिक्षित किया जायेगा . बिहार पशु विज्ञान महाविद्यालय किसानों को फसल अवशेषों से फॉडर ब्लॉक बनाने तथा फसल कटाई के बाद खेतों में भेड़-बकरी को चराने की परंपरा तथा उसकी विशेषता से होने वाले लाभ को प्रशिक्षण देगा.

Prabhat khabar (16/10/2019)

पहल • मुंगेर विश्वविद्यालय देश में लैटरल एक्जिट देने वाला होगा पहला विश्वविद्यालय

मुंगेर विवि में मिलेगी पांच साल की पीजी डिग्री

राजदेव पांडेय ▷ पटना

मुंगेर विश्वविद्यालय अगले शैक्षणिक सत्र से पांच वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि देने वाला प्रदेश का पहला संस्थान बन जायेगा. इस आशय का प्रस्ताव राजभवन को भेजा जा रहा है. खास बात यह होगी कि इस स्नातकोत्तर उपाधि में अध्ययनरत विद्यार्थी तीन साल में भी लैटरल एक्जिट (बीच में ही कोर्स से बाहर हो जाना) ले सकेंगे. लैटरल एक्जिट में विद्यार्थी को स्नातक की उपाधि दी जायेगी. हालांकि वह डिग्री ऑनर्स नहीं होगी. इस डिग्री से विद्यार्थी केवल प्रतिस्पर्धी परीक्षा दे सकेंगे. विश्वविद्यालय लैटरल एक्जिट की सुविधा देने वाला देश की परंपरागत श्रेणी का यह पहला विश्वविद्यालय होगा.

इस कोर्स को रहेगी यूजीसी की मान्यता

विश्वविद्यालय की परिषद ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है. अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्ताव गुरुवार को राजभवन भेजा जायेगा. जानकारी के मुताबिक पांच वर्षीय कोर्स इंटर के बाद चालू होगा. लैटरल एक्जिट लेने के लिए उसे सेकेंड इयर में ही आवेदन देना होगा. इस पर विश्वविद्यालय परंपरागत कोर्स में से कुछ सब्जेक्ट हटाकर उसे कुछ विशेष कोर्स / ब्रिज कोर्स / इलेक्टिव कोर्स पढ़ायेगा. हालांकि स्नातक की उपाधि उसे उसी विषय में मिलेगी, जिसमें उसने स्नातकोत्तर डिग्री चाही थी. खास बात यह होगी कि लैटरल एक्जिट लेने के बाद स्नातक की उपाधि से कभी स्नातकोत्तर और दूसरी आकादमिक उपाधि हासिल नहीं कर सकेंगे. इस कोर्स को यूजीसी की मान्यता है. मुंगेर विश्वविद्यालय के नये सभी कोर्स में प्रवेश ऑल इंडिया प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही लिये जायेंगे.

> पांच वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री देने वाला प्रदेश का पहला और लैटरल एक्जिट देने वाला मुंगेर विश्वविद्यालय देश का पहला संस्थान बन जायेगा. इसके अलावा कुछ और कोर्स शुरू किये जायेंगे. यह कोर्स अगले शैक्षणिक सत्र से शुरू होंगे. इन प्रस्तावों को राजभवन भेजा जा रहा है. रोजगार की जरूरत के हिसाब से सभी कोर्स के पाठ्यक्रम तय किये गये है.
>
> **डॉ रणजीत कुमार वर्मा,** कुलपति, मुंगेर विश्वविद्यालय

अगले शैक्षणिक सत्र से कई पाठ्यक्रम होंगे शुरू

अगले शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय कुछ गैर पारंपरिक कोर्स शुरू करेगा. इसमें इन्वेस्टीगेशन एंड सिक्योरिटी मैनेजमेंट, फूड शेफटी एंड क्वालिटी मैनेजमेंट, फैमिली मैनेजमेंट, डिजॉस्टर एंड इन्वायरमेंटल मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंटिन्यूइंग लर्निंग एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट शामिल है. विश्वविद्यालय ने भी इन पर अपनी मुहर लगा दी है.